संक्षिप्त सार

दिल्ली में जुटेंगे देश की सभी विधानसभाओं के अध्यक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली की विधानसभा में दो दिवसीय ऑल इंडिया स्पीकर्स सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर से 32 विधानसभाओं और विधान परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति और उप सभापति शामिल होंगे। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि सभी राज्यों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को राज्य अतिथि का दर्जा दिया जाएगा। इनके स्वागत और प्रोटोकॉल के लिए दिल्ली सरकार ने 125 अधिकारियों की नियुक्ति की है। 24 अगस्त को सम्मेलन का उद्घाटन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला 25 अगस्त को इसका समापन करेंगे। यह कार्यक्रम देश के पहले निर्वाचित केन्द्रीय विधानसभा अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल की अध्यक्षता के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान उनके जीवन, संसदीय योगदान और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका पर आधारित भव्य प्रदर्शनी, विशेष डाक्यूमेंट्री और स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरासत से विकास के विजन को ध्यान में रखते हुए दिल्ली विधानसभा ने इस सम्मेलन में अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ पेपरलेस प्रणाली, सौर ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्योमुखी विषयों को प्रदर्शित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली ऐसी संसद है जहां से क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय नेताओं ने आजादी का आह्वान किया जो कि पूरे भारत में गूंज उठा।

राजधानी में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पतंगबाजी को लेकर एजवाइजारी जारी

नई दिल्ली। राजधानी में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होने वाली पतंगबाजी को लेकर दिल्ली ट्रांस्को समेत बिजली आपूर्ति कंपनी टाटा पावर-डीडीए, बीएसईएस ने एजवाइजारी जारी की है। बिजली कंपनी ने पतंगबाजी करते समेय बिजली के तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। क्योंकि मांझे से बिजली के तारों को नुकसान होने के साथ, पतंग उड़ाने वाले भी गंभीर दुर्घटना के शिकार हो सकते है। बिजली कंपनी टाटा पावर डीडीए की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि पतंगबाजी करते हुए चाइनीज मांझे से बचने और ओवरहेड बिजली के तारों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। बिजली कंपनी कंपनी ने कहा कि इससे बिजली के तारों को नुकसान होने से बिजली कटौती तो होती है लेकिन कई बार पतंगबाजी करनेवालों को भी नुकसान हो सकता है। दिल्ली ट्रांस्कों ने भी एडवाइजरी करते हुए लोगों से बिजली के तारों से दूरी बनाकर पतंगबाजी करने की अपील की है। दिल्ली ट्रांस्को के मुताबिक बिजली के हाईटेंशन तारों में जब मांझा उलजने से ट्रिपिंग होती है तो उसे हटाने में लंबा समय लगता है। पिछली कुछ सालों में पतंगबाजी के चलते मांझा उलझने से सैंकड़ों पर बिजली की ट्रिपिंग हुई है, उसके चलते लोगों को परेशानी होती है। इसलिए लोगों से अपील की जाती है कि वह इस बार बिजली के तारों से दूरी बनाकर पतंगबाजी करें।

तिहाड़ जेल में रंगदारी रैकेट के आरोप पर प्राथमिकी दर्ज करे सीबीआई : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तिहाड़ जेल के अंदर रंगदारी का रैकेट चलने के आरोपों पर गंभीर रुख अपनाया है। कोर्ट ने सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस मामले को चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि सरकार को इस पर तुरंत गंभीर कदम उठाने होंगे। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने इससे पहले सीबीआई को प्रारंभिक जांच करने का आदेश दिया था। सोमवार को अदालत ने जांच रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए कहा कि इसमें कैदियों और जेल अधिकारियों की संलिप्तता विभिन्न अवैध और भ्रष्ट गतिविधियों में पाई गई है। पीठ ने स्थिति रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज कर विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अगली सुनवाई तक उठाए गए कदमों की जानकारी सीलबंद लिफाफे में अदालत को दी जाए। अदालत ने कहा कि जांच केवल जेल अधिकारियों तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें शामिल कैदियों के परिजनों और याचिकाकर्ता तक की भूमिका भी देखी जाए। जिसमें तिहाड़ में रंगदारी व कैदियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। अदालत 13 अगस्त को याचिका पर अगली सुनवाई करेगी।

अमित शाह 24 अगस्त को स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 अगस्त को दिल्ली विधानसभा में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। विजेंद्र गुप्ता ने मीडिया को बताया, देशभर से 32 विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष इस कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि कर चुके हैं। उन्होंने कहा, भारत में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है। समापन समारोह 25 अगस्त को होगा, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि होंगे। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के सांसद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री और विधायक भी सम्मेलन में भाग लेंगे।

आईपीयू में तीन वर्षीय एलएलबी प्रोग्राम में आज तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 से तीन वर्षीय एलएलबी प्रोग्राम शुरु किया गया है। इस प्रोग्राम के लिए जुलाई के तीसरे सप्ताह से आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस प्रक्रिया के तहत 12 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए 2500 रुपये के दाखिला एवं काउंसलिंग शुल्क का भुगतान करना होगा। यह प्रोग्राम द्वारका परिसर स्थित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज और संबद्ध कॉलेजों विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज और चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में उपलब्ध होगा। शुरुआत में इन तीनों संस्थानों में इस प्रोग्राम के लिए 60-60 सीटें उपलब्ध होंगी। इस कार्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के आधार पर दिया जाएगा। इसके लिए प्रवेश परीक्षा 17 अगस्त को आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में भाषा और संप्रेषण, सामान्य ज्ञान और समसामयिकी तथा कानून और कानूनी तर्क की मूल बातें पूछी जाएंगी।

56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से निकाला 18.5 किलोग्राम का ट्यूमर

नई दिल्ली। दिल्ली के नामी निजी अस्पताल में 56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से सफलतापूर्वक 18.5 किलोग्राम ट्यूमर निकाला गया। इस ट्यूमर के कारण महिला को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ट्यूमर के कारण आसपास के अंगों पर दबाव पड़ रहा था। इससे महिला को चलने-फिरने में भी मुश्किल थी। महिला को फाइब्रॉइड (गर्भाशय में होने वाली गैर-कैंसरकारी गांठे) की समस्या था। महिला की सर्जरी अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग प्रमुख डॉ. दिनेश कंसल के नेतृत्व में की गई। डॉ. दिनेश कंसल ने कहा कि मरीज के गर्भाशय में बहुत बड़ा ट्यूमर था। इस कारण गर्भाशय बढ़कर आंतों, ब्लैडर व यूरेटर जैसे आसपास के अन्य अंगों को दबाने लगा था। इंटर्नल एनाटॉमी गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी।

अब नहीं जाना पड़ेगा मुंबई, दिल्ली को ही बनाएंगे फिल्मों का हब, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की घोषणा

नई दिल्ली/एजेंसी।

राजधानी को फिल्मों का हब बनाने को लेकर दिल्ली सरकार तेजी से काम कर रही है। दिल्ली को ग्लोबल शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए फिल्म पॉलिसी को आकार दिया जा रहा है। सीएम रेखा गुप्ता ने यह जानकारी रविवार को सेलिब्रेटिंग इंडिया फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में दी।

इस सिस्टम से दी जाएगी अनुमति सिरीफोर्ट में चल रहे इस तीन दिन के फेस्ट में कई राजनैतिक हस्तियों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई नामी लोग भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में फिल्म शूटिंग के आवेदनों को सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति दी जाएगी, ताकि फिल्म निर्माताओं का मनोबल बढ़े और वो दिल्ली की कई लोकेशन पर शूटिंग करें।

इतना बजट किया गया तय –

सरकार राजधानी में फिल्म इंडस्ट्री के डेवलपमेंट और सुविधाएं देने की भी योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को फिल्ममेकिंग का हॉटस्पॉट बनाने के लिए भी तीन करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी तक मुंबई को ही फिल्म और मनोरंजन उद्योग के लिए जाना जाता है।

इस दिशा में नहीं किया गया कोई प्रयास– एक तरफ दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय जैसा प्रतिष्ठित ड्रामा और थिएटर संस्थान है, जहां से एक्टिंग सीख कर कई कलाकारों ने देश-विदेश में बहुत नाम कमाया है, लेकिन आज तक किसी ने दिल्ली में ही फिल्म इंडस्ट्री के डेवलपमेंट पर कोई गंभीर प्रयास नहीं किया है।

सरकार बना रही योजना–

यह सोचने लायक सवाल है कि लोग एक्टिंग सीखें दिल्ली में और फिर उन्हें काम तलाशने के लिए जाना पड़े मुंबई! अब हमारी सरकार दिल्ली में फिल्म इंडस्ट्री के डेवेलपमेंट के साथ ही ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

फिल्म फेस्ट के लिए 30 करोड़ रुपये–

सीएम ने कहा कि सरकार की भागीदारी से राजधानी में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे शहर की संस्कृति और विविधता को बढावा मिलेगा। फेस्टिवल में अलग-अलग विषयों पर देश के साथ विदेशी फिल्मों और डॉक्युमेंट्री को देखने का मौका मिलेगा। दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल कराने से पर्यटन भी बढ़ेगा।

सिम्बायोसिस के एमबीए प्रोग्राम के लिए SNAP टेस्ट 2025 की एडमिशन विंडो खुली

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूट टेस्ट 2025 के लिए ऐप्लीकेशन की आधिकारिक शुरूआत कर दी है। गौरतलब है कि यह एमबीए में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है। पांच दशकों की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सिम्बायोसिस उन छात्रों के लिए टॉप चॉइस है जो विश्व स्तर पर प्रासंगिक, उद्योग जगत के अनुरूप और अकादमिक रूप से दृढ़ प्रबन्धन शिक्षा पाना चाहते हैं।

SNAP 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन एवं पेमेंट विंडो की शुरूआत 1 अगस्त 2025 (शुक्रवार को हुई, जो 20 नवम्बर 2025 (गुरूवार) तक खुली रहेगी। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का आयोजन तीन तारीखों पर होगा, यानि उम्मीदवार तीन बार तक परीक्षा दे सकते हैं। इनमें से प्रवेश प्रक्रिया के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कोर को वैद्य माना जाएगा। SNAP 2025 का सचांलन देश के 79 शहरों में होगा। परीक्षा में बहु-विकल्पी (ऑब्जेक्टिव टाईप) सवाल पूछे जाएंगे, प्रत्येक सवाल के जवाब में चार विकल्प होंगे। हर गलत जवाब के लिए 25 फीसदी नेगेटिव मार्किंग होगी। परीक्षा के प्रत्येक प्रयास के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क रु 2250 होगा और प्रत्येक प्रोग्राम के लिए रु 1000 का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। सलेक्शन की फाइनल प्रक्रिया (मेरिट लिस्टिंग) कम्पोज़िट स्कोर के आधार पर की जाएगी, जिसमें शामिल हैः परीक्षा में आवेदन के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी/ राष्ट्रीय स्तर के संस्थान से बैचलर डिग्री होनी चाहिए (कम से कम 50 फीसदी अंक, एससी/एसटी के लिए 45 फीसदी अंक)। अगर विदेशी छात्र परीक्षा देना चाहते हैं तो उनके पास एसोसिएशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटीज़ (एआईयू) से समकक्ष सर्टिफिकेट होना चाहिए। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले आधिकारिक वेबसाईट पर जाकर विशेष प्रोग्राम की एलिजिबिलिटी देख लें।

TAFE का मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट - सीज़न 2 ज़मीनी स्तर के कृषि-नवाचार को देता है सम्मान

नई दिल्ली। TAFE- ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माताओं में से एक है और भारत में मशहूर मैसी फर्ग्यूसन ट्रैक्टर्स का निर्माता है, ने अपने मैसी डाइनास्टार कॉन्टेस्ट - सीज़न 2, 2025 7 #SabseBadeAllrounder की तलाश का सफल समापन किया। ञ्ग्स्न्श्व की यह अग्रणी पहल बहुमुखी मैसी फर्ग्यूसन डाइनाट्रैक 241 ट्रैक्टर की क्षमता से संचालित मौलिक, विस्तार योग्य और सामाजिक रूप से प्रभावशाली विचारों को खोजने और सम्मानित करने का उद्देश्य रखती है।

सीज़न 2 में हुई प्रतियोगिता को लोगों ने बहुत पसंद किया। इसमें 26 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों से 16,000 से भी ज़्यादा एंट्री प्राप्त हुई, जिससे पता चलता है कि हमारे देश में खेती-बाड़ी में कितनी विविधता है। इन सब में से 12 फाइनलिस्ट चुने गए, जो 7 राज्यों - असम, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश - से थे। इस प्रतियोगिता में किसानों, गाँव के उद्यमियों और कृषि-छात्रों ने हिस्सा लिया, जिससे ज़मीनी स्तर पर नवाचार की एक बहुत ही जीवंत संस्कृति देखने को मिली। हाल ही में हुए ग्रैंड फिनाले में एक प्रतिष्ठित ग्रैंड जूरी थी, जिसमें सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशंस, और प्रोडक्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों के अनुभवी लोग शामिल थे। फाइनलिस्ट का मूल्यांकन नवाचार, व्यावहारिकता, विस्तार की संभावनाओं, आय उत्पन्न करने की क्षमता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर किया गया।

ग्रैंड प्राइज़ कर्नाटक के बेलगाम के निवासी और IT कर्मचारी से किसान बने अविनाश देसाई को मिला। उन्होंने मैसी फर्ग्यूसन डाइनाट्रैक 241 से चलने वाली मोबाइल स्लरी डीवॉटरिंग मशीन का एक नया आईडिया पेश किया था।

'वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन' भारत में एक 100-दिवसीय विश्व सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करेगा

नई दिल्ली। इस दशक का एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक समागम– विश्व सांस्कृतिक महोत्सव' 16 अगस्त से 23 नवम्बर 2025 तक कर्नाटक के सत्य साई ग्राम में आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव का आयोजन 100 देशों में सक्रिय ÷वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन÷ कर रहा है। यह महोत्सव 100 राष्ट्रों को 100 दिनों तक एक सूत्र में बाँधेगा, जहाँ कला, संगीत, अध्यात्म एवं सेवा के माध्यम से मानवता की साझी चेतना का सजीव अभिव्यक्तिकरण होगा। यह सीमाओं से परे जोड़ने वाली विविधता में एकता का तथा मानवीय मूल्यों का एक सशक्त उत्सव होगा। इस महोत्सव में प्रत्येक दिवस एक विशिष्ट देश को समर्पित होगा, जिसमें उस राष्ट्र की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जड़ों पर प्रकाश डालते हुए किसी

विख्यात वक्ता का, और वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन (एक विश्व एक परिवार सेवा-अभियान) के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक सद्गुरु श्री मधुसूदन साई का सार्वभौमिक सत्यों पर एक उद्बोधन होगा; तत्पश्चात उस विशिष्ट राष्ट्र में किए गए विशिष्ट मानवीय सेवा-कार्य का सम्मान किया जाएगा एवं एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। उत्सव में भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान भी सम्मिलित होंगे, जिनमें देवी-शक्ति का उत्सव मना कर विश्वव्यापी सामंजस्य का आह्वान करने वाले नवरात्रि पर्व पर अति रुद्र महायज्ञ एवं दुर्गा पूजा का आयोजन प्रमुख हैं।

इस महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण विश्व के विशालतम निःशुल्क निजी ग्रामीण चिकित्सालय का उद्घाटन होगा, जो वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई को पाटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा। साझे उल्लास की इस भावना में, साई सिम्फनी वर्ल्ड ऑर्केस्ट्रा में 40 देशों के 400 संगीतज्ञ सम्मिलित होकर प्रस्तुति देंगे, जिनमें भारत के सबसे बड़े विद्यालयी ऑर्केस्ट्रा, साई सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा के 170 बालक-बालिकाएँ भी सामंजस्य एवं आशा की एक सशक्त संगीतमय प्रस्तुति देंगे। साझा मानवीय मूल्यों तथा परस्पर सम्मान की शक्ति को सुदृढ़ करने हेतु एक सार्थक अंतर-धार्मिक संवाद संभव करने के लिए विश्व धर्म सम्मेलन विभिन्न आस्थाओं के आध्यात्मिक नेताओं को एकजुट करेगा। महोत्सव का समापन, भगवान श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी जयंती समारोह के रूप में होगा, जिनका प्रेम एवं सेवा का संदेश आज भी विश्व भर में करोड़ों लोगों को प्रेरणा प्रदान कर रहा है।

अभिज्ञान टोकस और यशराज टोकस ने इंटर स्कूल तैराकी प्रतियोगिता 2025 में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। अभिज्ञान टोकस, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, वसंत विहार, नई दिल्ली के छात्र ने इंटर स्कूल तैराकी प्रतियोगिता 2025 में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

अभिज्ञान ने बॉयज़ ग्रुप-5 वर्ग के 25 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में स्वर्ण पदक से अपनी शुरुआत की, फिर 25 मीटर बटरफ्लाई और 25 मीटर बैक स्ट्रोक में कांस्य पदक जीते। यह उनके लिए प्रतियोगिता का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन रहा। अभिज्ञान ने कहा, मैं लगातार सुधार करने और प्रक्रिया पर भरोसा करने की कोशिश करूंगा। तकनीक पर काम किया, अच्छी शुरुआत ली, मजबूत किक बनाए रखी और दोनों हाथों से फिनिश किया। उनके कोच डॉ. जितेन्द्र टोकस ने कहा,

हम छोटे लक्ष्यों पर काम कर रहे थे–योजना बनाना, प्रक्रिया बनाना और हर दिन मेहनत करना। हमें सिर्फ अभिज्ञान को तैरते हुए देखने का आनंद मिलता है । तीन पदक जीतना बस एक शुरुआत है, आगे की कहानी वह खुद लिखेगा।

स्विम फॉर इंडिया अकादमी के तैराकों ने बोस्को पब्लिक स्कूल, दिल्ली में आयोजित इंटर स्कूल तैराकी चैम्पियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया। कव्यांजलि टोकस, डीपीएस आर.के. पुरम, नई दिल्ली की छात्रा ने भी दो रजत और एक कांस्य पदक जीता – 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में रजत, 100 मीटर इंडिविजुअल मेडले में रजत और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में कांस्य पदक। केशवराज टोकस, मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार के छात्र ने बॉयज़ ग्रुप-5 वर्ग में रजत पदक जीता।

यशराज टोकस, मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार के छात्र ने बॉयज़ ग्रुप-5 में 25 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण, 25 मीटर बैक स्ट्रोक और 25 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीतकर अपनी मजबूत पहचान बनाई।

एलएलडीआईएमएस और आईसीएआई ने संयुक्त रूप से आधुनिक लेखा पेशे के नए आयामों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

नई दिल्ली। लिंग्याज ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज़ (एल.एल.डी.आई.एम.एस) ने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (अकादमिक) के सहयोग से ÷रेडिफाइनिंग प्रोफेशनलिज़्म- एआई, फॉरेंसिक्स, ईएसजी और साइबर सिक्योरिटी इन मॉडर्न अकाउंटेंसी÷ विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और विशेषज्ञों ने डिजिटल युग में लेखा पेशे के बदलते स्वरूप पर विचार साझा किए।

सीए हंस राज चुग, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (अकादमिक), आईसीएआई ने कहा कि आज का चार्टर्ड एकाउंटेंट केवल आंकड़ों और अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। सीए अतुल कुमार गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, आईसीएआई ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन ऑडिट की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहे हैं।

सीए गौरव गर्ग, पूर्व अध्यक्ष, नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल, आईसीएआई ने डिजिटल तकनीकों से उत्पन्न नैतिक चुनौतियों - जैसे डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा - पर प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. सचिन कुमार लोहिया, वाणिज्य विभागाध्यक्ष, एलएलडीआईएमएस ने वित्तीय अर्थशास्त्र को आर्थिक नीतियों और वैश्विक वित्तीय स्थिरता का आधार बताया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) प्रणव मिश्रा, निदेशक, एल.एल.डी.आई.एम.एस ने कहा कि संस्थान सदैव छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों से जोड़ने और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान दिलाने के प्रयास करता है, ताकि वे भविष्य के पेशेवर चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार हों। यह संगोष्ठी तकनीक, नैतिकता और वित्तीय विशेषज्ञता के संगम पर नए दृष्टिकोण प्रदान करने वाला एक प्रेरक मंच सिद्ध हुई।

एनआईईपीए ने 19वें स्थापना दिवस का जश्न मनाय

नई दिल्ली। शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में क्षमता निर्माण और शोध के लिए समर्पित संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईईपीए) ने आज इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपना 19वां स्थापना दिवस एक विशिष्ट व्याख्यान के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में जानेमाने विचारकों ने 21वीं सदी की चुनौतियों एवं अवसरों के लिए भारत के शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में इस संस्थान की विरासत और भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम के मुख्य मेहमान, इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव ने ÷उभरती नई दुनिया के लिए भारत को तैयार करना÷ विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। दिवस की कार्यवाही की शुरुआत एनआईईपीए की डीन प्रोफेसर मोना खरे के स्वागत भाषण से हुई। इस भाषण ने विचारपूर्ण चर्चाओं के लिए मंच तैयार किया। इसके बाद एनआईईपीए की कुलपति प्रोफेसर शशिकला वांजारी ने भारतीय शिक्षा के लिए संस्थान की दूरदर्शी दिशा और राष्ट्रीय नीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए एक व्यापक व्यक्तव्य दिया।

19वें स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण डॉ. राम माधव का अत्यधिक प्रतीक्षित व्याख्यान था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआईईपीए के कुलाधिपति श्री महेश चंद्र पंत ने की।

औपचारिक कार्यक्रम में एनआईईपीए के कर्मचारियों और विद्वानों के लिए एक विशेष सम्मान और पुरस्कार समारोह भी शामिल था। उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार किया गया। कार्यक्रम का समापन एनआईईपीए के रजिस्ट्रार डॉ. सूर्य नारायण मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक और लेखक डॉ. राम माधव ने विकसित हो रही वैश्विक व्यवस्था की जटिलताओं और उसमें भारत की रणनीतिक स्थिति पर गहन विचार व्यक्त किए। उभरती नई दुनिया के लिए भारत को तैयार करना विषय पर बोलते हुए डॉ. माधव ने भविष्य के साथ प्रोएक्टिव इंगेजमेंट और आत्मचिंतन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज, हम अक्सर सार्वजनिक चर्चा में नई विश्व व्यवस्था शब्द सुनते हैं। यह एक ऐसा शब्द है जिसका प्रयोग अमूमन किया जाता है। लेकिन कितने लोग यह पूछने के लिए रुकते हैं- इसका वास्तविक अर्थ क्या है उन्होंने इस जाँच के तात्कालिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ÷यह समझना कि हम किस दिशा में जा रहे हैं, और कैसे उस यात्रा के लिए अपने देश को तैयार करना, मेरे विचार में, एक देशभक्ति का कर्तव्य है। डॉ. माधव ने उपस्थित लोगों से इन विचारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिस भविष्य की वे बात कर रहे हैं, वह अब दूर नहीं है, बल्कि हमारे सामने है। अपने संबोधन में डॉ. राम माधव ने कहा, सच्ची शिक्षा केवल जानकारी नहीं देती; यह रचनात्मकता को प्रेरित करती है, मन को मुक्त करती है और चरित्र का निर्माण करती है।

नरेला ज़ोन में एमसीडी का स्वच्छता संदेश- स्वस्थ नागरिक, स्वच्छ दिल्ली: डिप्टी कमिश्नर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के नरेला ज़ोन में चल रहा है एक विशेष स्वच्छता अभियान, जहां ज़ोन के डिप्टी कमिश्नर श्री राकेश कुमार ने नागरिकों से साफ़-सफाई में सहयोग की अपील की है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हम सभी निवासियों से निवेदन करते हैं कि स्वच्छता को अपनाएँ, बीमारियों को दूर भगाएँ। स्वच्छ वातावरण से ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। डिप्टी कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि गंदगी सिर्फ बीमारियों की जड़ ही नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण को भी प्रदूषित करती है। इस अभियान का उद्देश्य है नरेला ज़ोन को न केवल साफ़ बनाना, बल्कि लोगों को जिम्मेदारी का अहसास कराना और उन्होंने यह भी बताया कि हम नरेला जोन में कबड्डी जैसे खेलों को भी प्रमोट करेंगे और उनका आयोजन करेंगे ताकि लोगों में खेलों के प्रति ज्यादा से ज्यादा रुचि जागृत हो।